विनयपत्रिका गङ्गादास

प्रथम व द्वितीयभाग

जिसमें

विनय और रस भजन कहेगये हैं

जिसको

गङ्गाविष्णु वल्द द्वारकाप्रसाद कायस्थ वैष्णवसेवी साकिन व क़ानूनगोय क़दीम नैमिषार तहसील मिश्रिख जिला सीतापूरने भक्तिअनुसार श्रीमहाराज पारब्रह्म परमेश्वर दीनबन्धु श्रीरामचन्द्र व कृपासिन्धु श्रीकृष्णचन्द्रका निरूपणकर भक्तिमान् पुरुषों की प्रसन्नताकेलिये रचनाकी

प्रथमबार

लखनऊ

मुन्शी नवलकिशोर (सी, आई, ई) के छापेखानेमें छपी

फरवरी सन् १८९८ ई० ॥

५ जुज़ ६ वर्क़